सम्बल

(डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय की त्रैमासिक न्यूज़ बुलेटिन)

प्रवेशांक

सितम्बर, 2014 लखनऊ

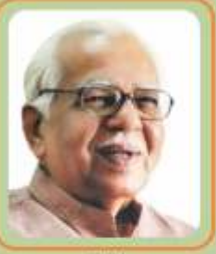

कुलाध्यक्ष
श्री राम नाईक माननीय राज्यपाल उ.प्र.

अध्यक्ष, सामान्य परिषद
श्री अखिलेश यादव माननीय मुख्यमंत्री उ.प्र.

नवोन्मेष के लिए

प्रो. निशीथ राय
कुलपति

संवाद समाज और संस्थाओं को जीवंत बनाता है। उसकी अंतः एवं बाह्य क्रिया-कलापों को अभिव्यक्ति प्रदान करता है। इसी उद्देश्य से विश्वविद्यालय ने **सम्बल** के प्रकाशन का शुभारम्भ किया है। यह एक विशिष्ट उद्देश्यों की प्रतिपूर्ति के लिए उत्तर प्रदेश शासन द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय है, जहाँ समाज के वंचित वर्गों का उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में उनकी अनुस्यूत प्रतिभा को जागृत करने का अवसर प्रदान किया जा रहा है। और दूसरी बड़ी बात कि यहाँ एक समावेशी कक्ष में विद्यार्थियों के लिए अध्ययन एवं नवोन्मेष का वातावरण उपलब्ध कराया गया है ।

विभिन्न प्रकार की शारीरिक चुनौतियों के साथ विद्यार्थियों में छिपी अन्तर्निहित क्षमताओं के विकास के लिए अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास हो रहा है। इसी कारण से यह अपनी तरह का अनूठा व प्रथम प्रयोगधर्मी उच्च शिक्षा संस्थान है, जहाँ विशिष्ट एवं सामान्य दोनों प्रकार के विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। इसी समावेशी दृष्टि की प्रयोगस्थली है डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय। इसके लिए न केवल बाधामुक्त परिसर, कक्षा, प्रयोगशालाएँ एवं अन्य अनेक सुविधाएँ विकसित की जा रही हैं, अपितु योग्य, अनुभवी एवं प्रतिभाशाली शिक्षकों के मार्ग दर्शन में विश्वविद्यालय अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने की दिशा में अग्रसर है।

भारत की कुल आबादी की लगभग तीन से पाँच प्रतिशत जनसंख्या विकलांगता के भिन्न-भिन्न रूपों और चुनौतियों से ग्रस्त है। उच्च शिक्षा के माध्यम से इनके पुनर्वास के लिए कार्य करना तथा इस क्षेत्र की आवश्यकताओं के अनुरूप योग्य मानव संसाधन तैयार करने की चुनौती एवं जिम्मेदारी विश्वविद्यालय के समक्ष है । प्रदेश के प्रखर एवं ऊर्जावान मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव इस विश्वविद्यालय की सामान्य परिषद के अध्यक्ष हैं। उनकी संवेदनशीलता के कारण ही विगत सात माह में यह विश्वविद्यालय तीव्रता से अपने उद्देश्यों की प्रतिपूर्ति की दिशा में आगे बढ़ रहा है ।

इन शैक्षणिक गतिविधियों को परिसर के भीतर तथा बाहर संप्रेषित करने के लिए **सम्बल** न्यूज बुलेटिन का यह प्रवेशांक आप सब को समर्पित है ।

इस अवसर पर, इस विश्वास के साथ कि यह **सम्बल** विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों, शुभेच्छुओं तथा शिक्षा जगत के मध्य **सम्बल** बनकर आगे बढ़ेगा, मैं अपनी बधाई एवं शुभकामना प्रस्तुत करता हूँ ।

निशीथ राय

डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय का प्रथम दीक्षान्त समारोह

आज 30 सितम्बर, 2014 को डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय अपना प्रथम दीक्षान्त समारोह मना रहा है ।

असीम क्षमताओं से भरपूर लेकिन शारीरिक या मानसिक दृष्टि से किंचिद् अक्षम विकलांग जनों को राष्ट्र की मुख्य धारा में सम्मिलित करने, उनकी महत्त्वपूर्ण भूमिका को और ज्यादा प्रभावी बना सकने के उद्देश्य से वर्ष 2008 में उत्तर प्रदेश सरकार के विकलांग कल्याण विभाग द्वारा डॉ. शकुन्तला मिश्रा पुनर्वास विश्वविद्यालय की स्थापना की गई थी । इस विश्वविद्यालय में शारीरिक या मानसिक दृष्टि से विकलांग विद्यार्थियों को सामान्य विद्यार्थियों के साथ ही परम्परागत और नवीनतम पाठ्यक्रमों में पठन-पाठन की व्यवस्था सुनिश्चित की गई, जिसमें आज देश के कोने-कोने से मेधावी विद्यार्थी विभिन्न विषयों में अध्ययन कर रहे हैं। 131 एकड़ में फैला विश्वविद्यालय का भव्य परिसर न सिर्फ आधुनिकतम तकनीकी सुविधाओं से युक्त है, बल्कि यहाँ मानविकी के परम्परागत पाठ्यक्रमों को भी वर्तमान समय की चुनौतियों के मद्देनजर ज्यादा से ज्यादा प्रासंगिक और प्रभावी बनाया गया है।

समेकित शिक्षा की अपनी अन्तर्निहित विशिष्टताओं के कारण भारत वर्ष का यह पहला और अद्वितीय विश्वविद्यालय वर्तमान उत्तर प्रदेश सरकार के गहरे मानवीय सरोकार और संकल्प के कारण शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊँचाइयों को छू रहा है ।

कला, वाणिज्य, विधि एवं विशेष शिक्षा संकाय में आज यहाँ लगभग ढाई हजार छात्र अध्ययनरत हैं। स्थापना के लगभग पाँच वर्षों बाद आज पहली बार विश्वविद्यालय अपना दीक्षान्त समारोह मना रहा है ।

इस गरिमामय आयोजन की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाध्यक्ष श्री राम नाईक, माननीय राज्यपाल उत्तर प्रदेश करेंगे और मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के माननीय मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव जी होंगे ।

इस अवसर के अति विशिष्ट अतिथि श्री मुलायम सिंह यादव, माननीय पूर्व मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश, पूर्व रक्षा मंत्री भारत सरकार एवं वर्तमान में सांसद लोक सभा को विश्वविद्यालय द्वारा **डी. लिट्** की **मानद उपाधि** प्रदान की जायेगी ।

दीक्षान्त समारोह के इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि श्री शिवपाल सिंह यादव, माननीय मंत्री, लोक निर्माण, सिंचाई, सहकारिता एवं राजस्व, उ.प्र., श्री अम्बिका चौधरी, मा. मंत्री, पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं विकलांग जन विकास विभाग, उ.प्र. और श्री रघुराज प्रताप सिंह 'राजा भैया', मा. मंत्री, खाद्य एवं रसद व नागरिक आपूर्ति, उ. प्र. सरकार, उपस्थित रहकर इस दीक्षान्त समारोह को भव्यता और गरिमा प्रदान करेंगे।

इस समय पूरा विश्वविद्यालय परिवार अपने प्रथम दीक्षान्त समारोह की तैयारी में दिन-रात लगा हुआ है।

माननीय मुलायम सिंह यादव को दी जाएगी डी. लिट् की मानद उपाधि

समाजवादी समाज की स्थापना के लिए समर्पित, साम्प्रदायिक सद्भाव, राजनीति में प्रजातांत्रिक मूल्यों की रक्षा, हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषाओं की गरिमामयी प्रतिष्ठा करना माननीय मुलायम सिंह जी के लिए किसी राजनीतिक रणनीति का नहीं, हमेशा से जीवन-मरण का प्रश्न रहा है।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में इटावा जनपद का एक गाँव सैफई। यहीं किसान परिवार में जन्मे मुलायम सिंह जी का बचपन गाँव की गलियों में पला और बढ़ा। गाँव की इन्ही गलियों में उन्होंने किसानों और उनकी समस्याओं को न सिर्फ दर्शक की तरह देखा बल्कि वे उनके रोजमर्रा का हिस्सा थीं। यह गाँव आज भी उनकी स्मृतियों से जुड़ा हुआ है। यहीं उन्होंने अपने प्रथम सामाजिक जीवन की शुरुआत एक अध्यापक के रूप में की । तब भारतीय राजनीति में डॉ. राम मनोहर लोहिया का नाम सघर्ष का प्रतीक माना जाता था । माननीय मुलायम सिंह जी छात्र जीवन की प्रथम पाठशाला में डॉ. लोहिया के विचारों से प्रभावित हो चुके थे। आगे चलकर उन्होंने अपने गृह जनपद से ही राजनीतिक सफर की शुरूआत की और धीरे-धीरे भारतीय राजनीति के परिदृश्य पर छाते चले गये। लम्बे राजनीतिक जीवन की अत्यन्त व्यस्तताओं में भी एक पल के लिए वे गाँव को नही भूले। गाँव उनके राजनीतिक जीवन और चिन्तन की एकमात्र धुरी हैं, जहाँ से उनके सामाजिक मूल्य राजनीतिक आकार ग्रहण करते रहे हैं। वंचित, उत्पीडित और कुल आबादी के लगभग तीन प्रतिशत विकलांगजन उनकी प्रतिबद्धता के केन्द्र बिन्दु रहे हैं। इन सामाजिक मूल्यों की कीमत पर उन्होंने कभी भी, कहीं भी, कोई समझौता नहीं किया। सत्ता के शीर्ष पर रहते हुए गाँवों के विकास के लिए, किसानों, वंचितों और विकलांगजनों के हित में उन्होंने सत्ता को मात्र साधन माना। वह कभी भी उनके लिए साध्य नहीं रही।

लगभग पचास वर्षो की कालावधि तक फैले उनके सक्रिय सामाजिक-राजनीतिक जीवन के महत्त्वपूर्ण और ऐतिहासिक अवदान का सम्मान करते हुए डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय वर्ष 2014 के अपने प्रथम दीक्षान्त समारोह के अवसर पर माननीय मुलायम सिंह यादव को डी. लिट्. की मानद उपाधि प्रदान कर रहा है।

अध्यक्ष
श्री राम नाईक माननीय राज्यपाल उ.प्र.

मुख्य अतिथि
श्री अखिलेश यादव माननीय मुख्यमंत्री उ.प्र.

अति विशिष्ट अतिथि
श्री मुलायम सिंह यादव माननीय पूर्व मुख्यमंत्री,
पूर्व रक्षा मंत्री भारत सरकार एवं
सम्प्रति सांसद (लोक सभा)

विशिष्ट अतिथि
श्री शिवपाल सिंह यादव, माननीय मंत्री
श्री अम्बिका चौधरी, माननीय मंत्री
श्री रघुराज प्रताप सिंह 'राजा भैया', माननीय मंत्री

प्रगति की ओर.....

डॉ. शकुन्तला मिश्रा पुनर्वास विश्वविद्यालय को मिला राष्ट्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा

वर्ष 2008 में डॉ. शकुन्तला मिश्रा पुनर्वास विश्वविद्यालय की स्थापना उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा की गई थी । शुरू के पाँच वर्षों तक किसी पूर्णकालिक कुलपति के न होने की वजह से विश्वविद्यालय की पहचान मुख्यतः विशेष शिक्षा संकाय के अन्तर्गत संचालित बी.एड. पाठ्यक्रम के लिए ही थी। भारी फीस के कारण अन्य विभागों में छात्रों का प्रवेश नहीं के बराबर था। अधिकांश विभागों में अध्यापकों की संख्या भी बहुत कम थी । फरवरी, 2014 में वर्तमान उत्तर प्रदेश सरकार ने इस विश्वविद्यालय पर अपना ध्यान केन्द्रित करते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग में प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष पद पर कार्यरत डॉ. निशीथ राय को पूर्ण कालिक कुलपति का महत्त्वपूर्ण दायित्व सौपा।

पद भार ग्रहण करने के साथ ही वर्तमान कुलपति डॉ. निशीथ राय ने विश्वविद्यालय की एक-एक समस्याओं और छोटे से छोटे अवरोधों पर अपना ध्यान केन्द्रित किया। उन्होंने किसी भी विश्वविद्यालय के लिए अनिवार्य छोटे-बड़े निकायों को यहाँ स्थापित व सक्रिय किया। संभव सीमा के भीतर पूर्व स्वीकृत पाठ्यक्रमों को संचालित किया। छात्रावास की व्यवस्था दुरुस्त की। भारी मात्रा में ली जाने वाली फीस को घटाकर प्रदेश के अन्य विश्वविद्यालयों के बराबर किया । विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के मानक के अनुरूप प्रत्येक विभाग में नियुक्तियाँ सुनिश्चित कीं। विधि संकाय को संचालित किया। संकेत भाषा के लिए आध्यापकों की भर्ती की। किसी कारण से बंद हो चुके डी. एड. और एम. एड. की कक्षाएँ पुनः शुरू की गयीं। पी-एच. डी. पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया गया।

कहना न होगा कि किसी भी विश्वविद्यालय के मूल ढाँचे की स्थापना के लिए ये ऐसी अनिवार्यताएँ थीं जिसे पूरा किये बगैर किसी विश्वविद्यालय के अस्तित्व की परिकल्पना ही असंभव है। अकादमिक क्षेत्र से जुड़े होने के कारण वर्तमान कुलपति इससे पूरी तरह वाकिफ़ हैं। उन्होंने एक-एक कर सारी समस्याएँ सुलझाई। विश्वविद्यालय के वातावरण में विश्वास की भावना पैदा हुई। उन्होंने कुलपति के पद को मान प्रतिष्ठा की तरह नहीं, अपितु एक गहरे मानवीय सरोकार और जीवन लक्ष्य की तरह अपनाया। इस पूरी प्रक्रिया में उनका प्रभावशाली व्यक्तित्व विश्वविद्यालय के विकास के लिए बेहद महत्त्वपूर्ण साबित हो रहा है। पठन-पाठन, खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियों में तेजी से आगे बढ़ रहा यह विश्वविद्यालय आज उत्तर प्रदेश के गिने-चुने विश्वविद्यालयों में अपना स्थान बना कर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा हासिल कर चुका है । यह सब माननीय कुलपति के एकाग्र लगन और दिन-रात की अथक मेहनत के बल पर संभव हो सका है।

- पी-एच. डी. पाठ्यक्रम प्रारम्भ
- विधि संकाय में बी. काम. एल. एल. बी. का पाँच वर्षीय पाठ्यक्रम शुरू
- डी. एड. व एम. एड. का पाठ्यक्रम पुनः शुरू
- रिक्त पदों पर की गयीं शिक्षकों की नियुक्तियाँ
- बहुनिःशक्तता एवं सशक्तीकरण राष्ट्रीय संस्थान चेन्नई के साथ अनुबन्ध
- यूथ फॉर जॉब्स हैदराबाद के साथ एम. ओ. यू

सेंट्रल लंकाशायर विश्वविद्यालय और अन्य राष्ट्रीय संस्थाओं से एम. ओ. यू

माननीय कुलपति की पहल पर निःशक्तता के क्षेत्र में कार्यरत् देश विदेश की उन तमाम संस्थाओं के साथ मिलकर शिक्षण एवं अनुसंधान के लिए लगातार ऐसे अवसरों की तलाश की जा रही है जिसके माध्यम से डॉ. शकुन्तला मिश्रा विश्वविद्यालय में निःशक्त विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा एवं गुणवत्तापरक शोध कार्य करने में किसी भी तरह की असुविधाओं का सामना न करना पड़े ।

इस क्रम में सबसे महत्त्वपूर्ण पहल इग्लैण्ड के पेस्टन शहर स्थित सेंट्रल लंकाशायर विश्वविद्यालय और डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के बीच सांकेतिक भाषा के माध्यम से बधिर विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ावा देने के लिए अनुबन्ध कर लिया गया है ।

इसी क्रम में चेन्नई स्थित बहुनिःशक्तता एवं सशक्तीकरण राष्ट्रीय संस्थान के साथ मिलकर शिक्षा एवं पुनर्वास के क्षेत्र में कार्य करने के लिए और यूथ फॉर जॉब्स हैदराबाद नामक संस्था और डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में कौशल विकास केन्द्र द्वारा दो माह का प्रशिक्षण कार्यक्रम अक्टूबर 2014 से प्रारम्भ करने के लिए भी आपसी सहमति बना ली गई है।

अलंकरण

प्रथम दीक्षान्त समारोह के इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों के अन्तर्गत अलग- अलग वर्षों में उत्तीर्ण मेधावी विद्यार्थियों को कुलाध्यक्ष पदक, मुलायम सिंह स्वर्ण पदक, मुख्यमंत्री पदक, कुलपति पदक और डॉ शकुन्तला मिश्रा स्वर्ण पदक से सम्मानित किया जाएगा। मुलायम सिंह स्वर्ण पदक [illegible] परास्नातक राजनीति [illegible] विज्ञान के सर्वो [illegible] अंक पाने वाले तथा डॉ शकुन्तला मिश्रा स्वर्ण पदक प्रतिवर्ष विकलांग विद्यार्थियों में सर्वोच्च अंक पाने वाले विकलांग विद्यार्थी को दिया जाएगा। दिये जाने वाले पदकों के नाम और पदक प्राप्त करने वाले छात्रों की वर्ष वार सूची अंतिम पृष्ठ पर विस्तार से दी जा रही है।

मेधावी विद्यार्थियों को पदक

विश्वविद्यालय के प्रमुख निकाय

सामान्य परिषद्

1.	मुख्यमंत्री, उ. प्र.	अध्यक्ष
2.	मंत्री, विकलांग कल्याण विभाग, उ. प्र. सरकार	सदस्य
3.	अध्यक्ष, डॉ. शकुन्तला मिश्रा स्मृति से.सं. लखनऊ	सदस्य
4.	सचिव, विकलांग कल्याण विभाग, उ.प्र. सरकार	सदस्य
5.	प्रमुख सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, उ.प्र. सरकार	सदस्य
6.	प्रमुख सचिव, चिकित्सा शिक्षा विभाग, उ. प्र. सरकार	सदस्य
7.	सचिव, व्यावसायिक प्रशिक्षण विभाग, उ. प्र. सरकार	सदस्य
8.	प्रमुख सचिव वित्त, उ. प्र. सरकार	सदस्य
9.	आयुक्त, विकलांग जन, उ. प्र. सरकार	सदस्य
10.	कुलपति	सदस्य सचिव
11.	निदेशक, राष्ट्रीय दृष्टिबाधितार्थ संस्थान भारत सरकार अथवा उनका नाम निर्देशिती	सदस्य
12.	निदेशक, राष्ट्रीय श्रवणबाधितार्थ संस्थान भारत सरकार अथवा उनका नाम निर्देशिती	सदस्य
13.	निदेशक, राष्ट्रीय मानसिक मन्दितार्थ संस्थान, भारत सरकार अथवा उनका नाम निर्देशिती	सदस्य
14.	निदेशक, राष्ट्रीय अस्थिबाधितार्थ संस्थान भारत सरकार अथवा उनका नाम निर्देशिती	सदस्य
15.	अध्यक्ष, भारतीय पुनर्वास परिषद अथवा उनका नाम निर्देशिती	सदस्य

कार्यपरिषद्

1.	कुलपति -	अध्यक्ष
2.	अध्यक्ष, सामान्य सभा द्वारा नामित सामान्य सभा के तीन सदस्य	सदस्य
3.	प्रमुख सचिव / सचिव, उच्च शिक्षा	सदस्य
4.	निदेशक उच्च शिक्षा, उ. प्र. सरकार	सदस्य
5.	विश्वविद्यालय के दो वरिष्ठ आचार्य (चक्रानुक्रम में)	सदस्य
6.	निदेशक, विकलांग जन विकास विभाग	सदस्य
7.	सचिव, डॉ. शकुन्तला मिश्रा स्मृति से.सं., लखनऊ	सदस्य
8.	कुलसचिव -	सचिव
9.	कुलाध्यक्ष द्वारा नामित तीन प्रख्यात शिक्षाविद्	सदस्य
10.	सामाजिक ख्याति प्राप्त तीन व्यक्ति राज्य सरकार द्वारा नामित	सदस्य

विद्यापरिषद्

1.	कुलपति	अध्यक्ष
2.	प्रख्यात शिक्षाविदों या विद्वानों या किसी वृत्ति के सदस्य/सदस्यों या प्रख्यात सार्वजनिक व्यक्तियों में से तीन व्यक्ति, जो विश्वविद्यालय की सेवा में न हो, सामान्य परिषद के परामर्श से अध्यक्ष द्वारा नामनिर्दिष्ट किये जायेंगे	सदस्य
3.	निदेशक विकलांग कल्याण विभाग उ. प्र. सरकार सदस्य या उनके नाम निर्देशिती जो उप निदेशक से निम्न स्तर का न हो	सदस्य
4.	विश्वविद्यालय के समस्त विभागाध्यक्ष	सदस्य
5.	विभागाध्यक्षों से भिन्न समस्त आचार्य, यदि कोई हो	सदस्य
6.	शिक्षकगण के दो सदस्य (चक्रानुक्रम में) जिनमें से एक-एक सदस्य विश्वविद्यालय विश्वविद्यालय के उपाचार्य और प्राध्यापकों का प्रतिनिधित्व करेंगे	सदस्य

समेकित शिक्षा से ही विकलांगजनों का विकास संभव

विकलांगों को मिलेगा मुफ्त भोजन

हिन्दुस्तान
निशीथ राय बने पहले वीसी

राष्ट्रीय होगा डॉ. शकुंतला मिश्रा पुनर्वास विश्वविद्यालय

सामान्य परिषद की पहली बैठक में लिया गया फैसला, विश्वविद्यालय को बनाएंगे विश्व स्तरीय : मुख्य

बनेगी डिसएबिलिटी हेल्पलाइन

भगवान से बड़ा हुआ पैसा : प्रो. नामवर सिंह

कैम्पस

डॉ. शकुंतला मिश्रा विवि में प्लेसमेंट शुरू

30 सितम्बर को होगा विवि का दीक्षांत समारोह, मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और मुलायम सिंह यादव करेंगे

शकुंतला मिश्रा विवि की मेडल सूची में छात्राएं आगे

दीक्षांत समारोह में पदक पाने वाले छात्रों की सूची

शकुन्तला विवि में खुलेगा मेडिकल रिसर्च सेन्टर

कार्यपरिषद की बैठक

सार्क व कॉमनवेल्थ देशों से होगा शैक्षिक आदान

विकलांगों के लिए बनेगी देश की पहली हेल्पलाइन

डॉ. शकुंतला मिश्रा विवि में नई शुरुआत

मूकबधिर के साथ पढ़ेंगे सामान्य छात्र

Prof Nishith Rai now VC of Shakuntala Univ

LUCKNOW: Prof Nishith Rai, head of Ancient Indian History and Archaeology (AIH) department of Lucknow University, Tuesday took charge as the vice-chancellor of Dr Shakuntala Misra University, Lucknow. The information came from the state government that Rai has been appointed for the position for a period ... years.

पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की वर्षवार सूची

कुलाध्यक्ष पदक

वर्ष 2010
स्वर्ण - ज्योतिमा त्रिवेदी (बी.एड)
रजत - अंजली अग्रवाल (बी.एड.)
कांस्य - पायल शर्मा (बी.एड.)

वर्ष 2011
स्वर्ण - मंजू वर्मा (बी.एड.)
रजत - हिना जहीर (बी.एड.)
कांस्य - अजीत सिंह (बी.एड.)
स्वर्ण - अनामिका सिंह (एम.एड.)
रजत - जया वर्मा (एम.एड.)
कांस्य - रविन्द्र कुमार केशव (एम.एड.)

वर्ष 2012
स्वर्ण - स्वाती तिवारी (बी.एड.)
रजत - प्रीती मिश्रा (बी.एड.)
कांस्य - रोशनी (बी.एड.)
स्वर्ण - रानी पाण्डेय (एम.एड.)
रजत - कु. शिल्पी वर्मा (एम.एड.)
कांस्य - शिवम राय (एम.एड.)

वर्ष 2013
स्वर्ण - निशा वर्मा (बी.एड.)
रजत - सन्ध्या (बी.एड.)
कांस्य - ऋचा चित्रांश (बी.एड.)
स्वर्ण - सुरभी पुरवार (एम.बी.ए.)
रजत - माल्या खरे (एम.बी.ए)
कास्य -धर्मेन्द्र कुमार वीरोदय (एम.ए.)

वर्ष 2014
स्वर्ण - साक्षी श्रीवास्तव (बी.एड.)
रजत - मुक्ति मिश्रा (बी.एड.,)
कांस्य - प्रियांशु गुप्ता (बी.एड.,)
स्वर्ण - आंचल द्विवेदी (एम.बी.ए.)
रजत - पल्लवी श्रीवास्तव (एम.बी.ए.)
कांस्य - अंजू कुमारी (एम.बी.ए.)

मुख्यमंत्री पदक

वर्ष 2010
स्वर्ण - ज्योतिमा त्रिवेदी (बी.एड)
रजत - अंजली अग्रवाल (बी.एड.)
कांस्य - पायल शर्मा (बी.एड.)

वर्ष 2011
स्वर्ण - मंजू वर्मा (बी.एड.)
रजत - हिना जहीर (बी.एड.)
कांस्य - अजीत सिंह (बी.एड.)
स्वर्ण - अनामिका सिंह (एम.एड.)
रजत - जया वर्मा (एम.एड.)
कांस्य - रविन्द्र कुमार केशव (एम.एड.)

वर्ष 2012
स्वर्ण - स्वाती तिवारी (बी.एड.)
रजत - प्रीती मिश्रा (बी.एड.)
कांस्य - रोशनी (बी.एड.)
स्वर्ण - रानी पाण्डेय (एम.एड.)
रजत - कु. शिल्पी वर्मा (एम.एड.)
कांस्य - शिवम राय (एम.एड.)

वर्ष 2013
स्वर्ण - निशा वर्मा (बी.एड.)
रजत - सन्ध्या (बी.एड.)
कांस्य - ऋचा चित्रांश (बी.एड.)
स्वर्ण - धर्मेन्द्र कुमार वीरोदय (एम.ए.)
रजत - रचना सिंह (एम.ए.)
कांस्य - शिवानी अग्रवाल (एम.एस. डब्ल्यू)
स्वर्ण - सुरभी पुरवार (एम.बी.ए.)
रजत - माल्या खरे (एम.बी.ए)
कास्य - राज त्रिपाठी (एम.बी.ए.)

वर्ष 2014
स्वर्ण - साक्षी श्रीवास्तव (बी.एड.)
रजत - मुक्ति मिश्रा (बी.एड.,)
कांस्य - प्रियांशु गुप्ता (बी.एड.,)
स्वर्ण - कु. पंखुड़ी शुक्ला (एम.एस.डब्ल्यू)
रजत - कु. करूणा ज्योति (एम.एस.डब्ल्यू)
कांस्य - कु. स्तुति वर्मा (एम.एस.डब्ल्यू)
स्वर्ण - आंचल द्विवेदी (एम.बी.ए.)
रजत - पल्लवी श्रीवास्तव (एम.बी.ए.)
कांस्य - अंजू कुमारी (एम.बी.ए.)

मुलायम सिंह यादव स्वर्ण पदक

जयप्रकाश सनयाल (एम.ए., राजनीति विज्ञान, 2013) प्रिंस मौर्या (एम.ए., राजनीति विज्ञान, 2014)

डॉ. शकुन्तला मिश्रा स्वर्ण पदक

अंजली अग्रवाल (बी.एड., वर्ष 2010)
अजीत सिंह (बी.एड., वर्ष 2011)
मंगल यादव (बी.एड., वर्ष 2011)
सलमान अली काँजी, बी.एड., वर्ष 2012)
संजय कुमार मित्तल, बी.एड., वर्ष 2012)
अजीत कुमार त्रिवेदी (बी.एड., वर्ष 2013)
अलमास सिद्दीकी (एम.बी.ए., वर्ष 2014)
कु० शशि बाला देवी (एम.ए., वर्ष 2014)
नीतू सिंह (बी.एड., वर्ष 2014)

कुलपति स्वर्ण पदक

ज्योतिमा त्रिवेदी (बी.एड. वर्ष 2010)
मंजू वर्मा (बी.एड., वर्ष 2011)
स्वाती तिवारी (बी.एड., वर्ष 2012)
निशा वर्मा (बी.एड., वर्ष 2013)
साक्षी श्रीवास्तव (बी.एड., वर्ष 2014)
दीपमाला गौतम (बी.ए., वर्ष 2014)

संपादक : डा डी. एन. सिंह, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
छात्र संपादक : दीप माला गौतम, प्रकाशक : अखिलेन्द्र कुमार, कुलसचिव डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय
मुद्रक : प्रकाश पैकेजर्स, 257–गोलागंज लखनऊ